विदेशी प्रशिक्षकों की नियुक्ति

1342. **प्रो॰ राम बख्श सिंह वर्मा:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए विदेशी प्रशिक्षक नियुक्त किए गए थे,

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशों के प्रशिक्षकों को नियुक्त किया गया तथा उन्होंने किन-किन खेलों का प्रशिक्षण दिया,

(ग) इन प्रशिक्षकों के चयन के लिए क्या मानदंड अपनाए गए तथा उनके साथ कितनी अवधि के लिए करार किया गया;

(घ) क्या सरकार अपने ही देश में प्रशिक्षण तैयार करने पर विचार कर रही है ताकि विदेशी प्रशिक्षकों पर निर्भर न रहना पड़े, और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्यक्रम और खेल विभाग) में राज्य मंत्री (श्री मुकुल वासनिक): (क) जी, हां।

(ख) देशों और खेल विधाओं के नाम निम्नलिखित हैं:—

(1) चीन-बैडमिंटन, टेबल टेनिस, तैराकी और जिमनास्टिक।

(2) क्यूबा-मुक्केबाजी और वालीवाल।

(3) सी॰आई॰एस॰ देश-कुश्ती, केनोइंग, साइकिलिंग, एथलेटिक्स, नौकायन, फेंसिंग, तीरंदाजी, जूडो, भारोत्तोलन, फुटबाल, जिमनास्टिक, व्यायाम शरीर विज्ञान और खेल मनोविज्ञान।

(4) मंगोलिया-कुश्ती।

(ग) प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों का विस्तृत जीवन-वृत्त पहले मंगवा लिया जाता है और खेलों में उनके रिकार्ड तथा कोचिंग के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के आधार पर चयन किया जाता है। प्रशिक्षकों को दीर्घावधिक अथवा अल्पावधिक आधार पर नियुक्त किया जाता है। दीर्घावधि में आरंभ में एक वर्ष की अवधि होती है। संबंधित प्रशिक्षक/विशेषज्ञ के कार्य-निष्पादन के आधार पर समयावधि बढ़ाई जाती है। अल्पावधि सामान्यतः तीन महीने से कम होती है। इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों को भारत और अन्य देशों के बीच हस्ताक्षरित सांस्कृतिक आदान-प्रदान/कार्यक्रमों खेल नयाचारों के अंतर्गत भारत में आमंत्रित किया जाता है।

(घ) और (ङ) इस समय पटियाला में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एन॰एस॰एन॰आई॰एस॰) विभिन्न खेल विधाओं में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु 2 वर्षीय शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह संस्थान 22 महीने का एक विशिष्ट पोस्ट-डिप्लोमा मास्टर्स कोर्स भी चलाता है। पटियाला के अलावा गांधीनगर, बंगलौर और कलकत्ता के एन॰आई॰एस॰ केन्द्रों में भी यह पाठ्यक्रम उपलब्ध है। वर्तमान प्रशिक्षकों के लिए इन संस्थाओं में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। विदेशी प्रशिक्षकों को भी अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इसके अलावा कुछ चुनिंदा प्रशिक्षकों को उच्च प्रशिक्षण और अग्रिम प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जाता है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को भी संशोधित किया गया है ताकि खेल चिकित्सा जैसे कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर विषय को और अधिक व्यावहारिक और गहन बनाया जा सके।

Centrally Sponsored Schemes for the development of medicinal plants

1343. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are implementating a Centrally Sponsored scheme for the development of medicinal and aromatic plants to conserve herbal wealth in different agroclimatic zones in the country;

(b) if so, what are the details of the scheme; and

(c) the number of herbal gardens and nurseries which have so far been established in Maharashtra under the scheme with details thereof; and if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) (a) Yes, Sir.

(b) A Centrally Sector Scheme for Development of Medicinal and Aromatic plants was launched during VIII Five Year Plan with a total outlay of Rs. 5.00